ETAWAH SAFARI PARK, ETAWAH

NEWS LETTER-VOL.9

सफारीएक्सप्रेस

JANUARY-FEBRUARY-MARCH 2026

निदेशक की कलम से

इटावा सफारी पार्क, इटावा द्वारा इस त्रैमासिक न्यूज़ लेटर के नौवें अंक के माध्यम से माह जनवरी, फरवरी एवं मार्च 2026 में सफारी पार्क में हुई मुख्य गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सम्पूर्ण अंक सफारी पार्क एवं वन्यजीव संरक्षण को समर्पित है जिसमें सफारी पार्क में पाए जाने वाले वन्यजीवों एवं उनसे सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है। इटावा सफारी पार्क द्वारा इन तीन माह में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया।

हमें हर्ष है कि इस न्यूज़ लेटर के माध्यम से सफारी पार्क के सामान्य क्रियाकलापों के साथ-साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु इटावा सफारी पार्क प्रबन्धन द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(डा. अनिल कुमार पटेल)
भा.व.से.
निदेशक
इटावा सफारी पार्क, इटावा

Address :
Director, Etawah Safari Park
Etawah Gwalior Road,
Etawah - 206001
Phone : +91-7839435094
Email : dirlsetawah@gmail.com

Etawah Safari Park remains closed for tourists on Monday

FACEBOOK INSTAGRAM TWITTER

नववर्ष 2026 का आगमन

इटावा सफारी पार्क प्रबंधन द्वारा सोशल मीडिया के जरिए पर्यटकों को सफारी तक लाने के लिए शुरू किये गये प्रयास रंग ला रहे है। इटावा सफारी पार्क में बड़ी तादाद में वन्यजीव हैं लेकिन सबसे बड़ा आकर्षण एशियाटिक शेरों का है जिनको देखने के लिए पर्यटक यहां पहुंचते हैं तथा वर्तमान में इसके साथ लेपर्ड सफारी में लेपर्ड शावक भी आकर्षण के केन्द्र बने हुए है।

इटावा सफारी पार्क के निदेशक डा0 अनिल कुमार पटेल के अनुसार 01 जनवरी 2026 को 2000 से ज्यादा पर्यटक सफारी भ्रमण हेतु आए। उनका कहना है कि सफारी का मुख्य आकर्षण एशियाटिक लॉयन रहते है, जिन्हें देखकर पर्यटक काफी खुश होते हैं। इटावा सफारी पार्क में जहां एक तरफ शेर है वही दूसरी तरफ हिरण, बारासिंघा, काले मृग, भालू, लेपर्ड आदि भी बड़ी तादाद में मौजूद है। सफारी प्रशासन द्वारा किये गये बेहतर प्रबन्धन के कारण आज 01 जनवरी को सफारी पार्क में आये सभी पर्यटकों ने शांतिपूर्वक सफारी भ्रमण किया। इस वर्ष सफारी पार्क का भ्रमण करने वाले पर्यटकों को ग्रीटिंग कार्ड एवं प्रत्येक टिकट के साथ स्क्रैच कूपन भी दिया गया जिसे पाकर पर्यटक काफी खुश थे और कूपन स्क्रैच कर अपना गिफ्ट प्राप्त किये।

सफारी भ्रमण करने वाले पहले पर्यटक मैनपुरी के श्री दिलीप कुमार थे जिनको सफारी की एक फ्री ट्रिप कूपन के द्वारा प्राप्त हुआ जबकि आज के अंतिम टिकट लेने वाले पर्यटक ग्वालियर के श्री कमल रहे जिनको गिफ्ट के रूप में एक रिस्ट बैण्ड प्राप्त हुआ। 190 पर्यटकों को नव वर्ष के पहले दिन स्क्रैच कूपन से गिफ्ट प्राप्त हुआ। पर्यटकों में मणिपुर एवं गुजरात के बड़ौदा से आये एक–एक परिवारों ने भी आज इटावा सफारी पार्क का भ्रमण किया तथा सफारी भ्रमण के बाद उन्होनें यहां की व्यवस्था की प्रशंसा की। ईको पर्यटन क्षेत्र में पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु नव वर्ष पर जैसिका कॉफी प्वाइंट का उद्घाटन निदेशक, इटावा सफारी पार्क, इटावा द्वारा किया गया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन

विश्व के समस्त आर्द्रभूमि के विवेकपूर्ण उपयोग एवं उनके संरक्षण के उद्देश्य से वर्ष 1971 में 02 फरवरी के दिन रामसर वेटलैंड समझौता हुआ जोकि 1975 में लागू हुआ। जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश में 11 वेटलैंड्स को रामसर साईट के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। इसी क्रम में इटावा सफारी पार्क इटावा में 02 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दिवस एवं बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जनपद इटावा के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगला गौर, परसनी, घिरमई एवं छिपैटी के चार विद्यालयों के लगभग 100 छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया। जिसमें लगभग 2.5 किमी की नेचर वाक के दौरान विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों एवं पक्षियों के बारे में जानकारी साझा की गई। सफारी पार्क के ओपन एयर थिएटर में एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमे छात्र छात्राओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किये।

सफारी पार्क के उप निदेशक डॉ विनय कुमार सिंह एवं बायोलॉजिस्ट श्री बी एन सिंह द्वारा वेटलैंड दिवस, उनके महत्व एवं सरंक्षण के संबंध में जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान सफारी पार्क के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

9वां जलीय वन्यजीव जीवविज्ञान एवं संरक्षण स्कूल

इटावा सफारी पार्क में 23 फरवरी 2026 से 9वां जलीय वन्यजीव जीवविज्ञान एवं संरक्षण स्कूल आयोजित किया गया, जो छह दिनों के प्रशिक्षण के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम इटावा सफारी पार्क और टीएसए फाउंडेशन इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसमें टाटा केमिकल्स सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट का आंशिक सहयोग रहा। इस छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में भारत के छह राज्यों और नेपाल से कुल 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रतिभागियों में एम.एससी. और पीएचडी के छात्र, कॉलेज के व्याख्याता और प्रोफेशनल फोटोग्राफर शामिल थे। पूरे कार्यक्रम में "कम लेक्चर, ज्यादा फील्ड वर्क" की सोच को अपनाया गया, ताकि प्रतिभागियों को जमीन पर सीखने का ज्यादा मौका मिल सके।

कार्यक्रम का उद्घाटन इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने किया। इस मौके पर प्रभागीय वनाधिकारी इटावा श्री विकास नायक और राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की उप वन संरक्षक सुश्री चांदनी सिंह भी मौजूद रहीं। सभी अतिथियों ने नदियों और आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पर जोर दिया।

पहले दिन प्रो. अमिता कनौजिया ने आर्द्रभूमि संरक्षण पर व्याख्यान दिया। इसके बाद डॉ. अरुणिमा सिंह ने कछुओं पर जानकारी दी, जबकि डॉ. शैलेंद्र सिंह ने गंगा डॉल्फिन के रेस्क्यू और सुरक्षित छोड़ने की प्रक्रिया समझाई। दिन में चंबल नदी का फील्ड विजिट कराया गया, जहां प्रतिभागियों को कछुओं की सैंपलिंग, नेस्ट ट्रांसलोकेशन और अन्य तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। टीम ने गरहैता रिवर सेंटर का भी दौरा किया, जहां रेड क्राउन रिवर टर्टल संरक्षण कार्यों को देखा।

दूसरे दिन सुश्री अंजलि अग्रहरि ने वन्यजीव स्टोरीटेलिंग पर सत्र लिया। डॉ. राजीव चौहान ने सारस क्रेन के संरक्षण पर चर्चा की और डीएफओ श्री विनय कुमार सिंह ने इटावा सफारी पार्क की कार्यप्रणाली और संरक्षण प्रयासों के बारे में बताया। इसी दिन प्रतिभागियों को यमुना नदी ले जाया गया, जहां मछलियों की सैंपलिंग, उनकी संरचना और कछुआ अध्ययन उपकरणों का प्रदर्शन कराया गया।

तीसरे दिन सरसई नावर आर्द्रभूमि में पक्षी और आर्द्रभूमि संरक्षण पर विशेष कार्यक्रम हुआ। प्रसिद्ध पक्षी विशेषज्ञ डॉ. असद रहमानी ने पक्षियों की पहचान और संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी और फील्ड में अभ्यास भी कराया। श्री धीरेंद्र सिंह ने ड्रैगनफ्लाई और डैम्सेलफ्लाई (ओडोनेट) की पहचान और सैंपलिंग तकनीक सिखाई तथा बताया कि ये मीठे पानी के स्वास्थ्य के संकेतक कैसे होते हैं।

चौथे दिन चंबल नदी में घड़ियाल की गणना और सर्वे तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। श्री तरुण नायर ने वैज्ञानिक तरीके से घड़ियाल गिनने की विधि समझाई और प्रतिभागियों ने स्वयं अभ्यास किया। चंबल नदी सफारी के दौरान नदी के पक्षियों और अन्य वन्यजीवों को देखने और समझने का अवसर मिला। बाद में मेला कोठी लॉज में श्री आर.पी. सिंह ने सतत इको–टूरिज्म और स्थानीय लोगों की भागीदारी के बारे में जानकारी दी।

पांचवें दिन प्रतिभागियों ने इटावा लायन सफारी का दौरा किया, जहां उन्हें वन्यजीव प्रबंधन, बाड़ा डिजाइन और रेस्क्यू व्यवस्था की जानकारी मिली। दोपहर में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के श्री संदीप बेहरा ने गंगा डॉल्फिन संरक्षण और गंगा पुनर्जीवन कार्यक्रम पर बात की। श्री आर.के. शर्मा ने जलीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन पर सत्र लिया और प्रो. संत प्रकाश ने जलीय वन्यजीव संरक्षण में जेनेटिक अध्ययन की भूमिका समझाई।

अंतिम दिन श्री राघव गुप्ता (आई.आर.एस. अधिकारी और वन्यजीव फोटोग्राफर) ने फोटोग्राफी एथिक्स और संरक्षण स्टोरीटेलिंग पर सत्र लिया। कार्यक्रम का समापन मलेशिया के प्रसिद्ध सरीसृप विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील दास के विशेष व्याख्यान से हुआ।

इस स्कूल में कुल 21 विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर सत्र लिए, जिनमें कछुए, घड़ियाल, पक्षी, ऊदबिलाव, मछलियां, आर्द्रभूमि प्रबंधन, इको–टूरिज्म, फील्ड सर्वे तकनीक और वन्यजीव फोटोग्राफी शामिल रहे।

प्रतिभागियों को सुविधा डिजाइन, ग्रांट लेखन, फिल्म निर्माण और स्टोरीटेलिंग जैसे समूह कार्य भी दिए गए। टर्टल समूह ने सुविधा डिजाइन प्रतियोगिता जीती, घड़ियाल समूह ने फिल्म निर्माण में पहला स्थान प्राप्त किया और ऊदबिलाव समूह ने ग्रांट लेखन प्रतियोगिता जीती। डॉ. मीनाक्षी रेड्डी को सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी चुना गया।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अनिल कुमार पटेल (निदेशक, इटावा सफारी पार्क), डॉ. शैलेंद्र सिंह (निदेशक, टीएसए फाउंडेशन इंडिया) और श्रीपर्णा दत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लॉजिस्टिक सहयोग रूपेश श्रीवास्तव, शशांक और पवन पारिक ने प्रदान किया। यह 9वां जलीय वन्यजीव स्कूल देश की नदियों और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित और समर्पित युवाओं का मजबूत नेटवर्क तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

इटावा सफारी पार्क में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारिक सदस्यों हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफ़ई, इटावा के कुलपति प्रो0(डा0) अजय सिंह के विशेष सहयोग से उनके संस्थान के विशेषज्ञों/चिकित्सकों के द्वारा किया गया। इस स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में जनरल बॉडी चेकअप, रक्त जाँच, डेंटल, ईएनटी, स्त्री रोग, आँख एवं रेस्पिरेटरी रोगों से संबंधित डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ सहित 50 चिकित्सक उपस्थित रहे। चिकित्सकों की टीम का नेतृत्व प्रो. (डॉ) एस0पी0 सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं डॉ. एन0पी0 सिंह, प्रोफेसर व चीफ कॉर्डिनेटर आउटरीच प्रोग्राम के द्वारा किया। शिविर का शुभारंभ इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल द्वारा किया गया तथा सर्वप्रथम उन्होने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस चिकित्सा शिविर में 150 से अधिक कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ ही सफारी पार्क प्रबन्धन की ओर से सफारी पार्क में कार्यरत समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को फर्स्ट ऐड किट का वितरण भी किया गया।

इस शिविर के आयोजन में उप निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी रुपेश श्रीवास्तव एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सफारी स्टाफ एवं वन्यजीवों के स्वास्थ्य को उत्तम रखने हेतु यह आयोजन किया गया।

बब्बर शेर शावकों का आगमन

इटावा सफारी पार्क में वास कर रहे एशियाटिक बब्बर शेर कान्हा और शेरनी नीरजा की मेटिंग 18 से 21 नवंबर 2025 के मध्य हुई थी। आई.वी.आर.आई. बरेली से शेरनी नीरजा की गर्भ ठहरने की पुष्टि होने के उपरांत उसे ब्रीडिंग सेंटर में शिफ्ट किया गया तथा समर्पित कीपरों द्वारा उक्त शेरनी की विशेष देखभाल की गयी। शेरनी नीरजा की संभावित प्रसव तिथि होली त्योहार के आसपास (03 से 08 मार्च) होने के कारण सफारी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सफारी में ही उपस्थित होकर होली का त्योहार मनाया गया एवं सभी वन्य जीवों की विशेष निगरानी की गयी। अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च की शाम 08.25 बजे शेरनी नीरजा ने पहले शावक को जन्म दिया। तत्पश्चात 09.07 बजे दूसरे, 09.43 बजे तीसरे और 09.59 बजे चौथे शावक का जन्म हुआ। सफारी प्रशासन द्वारा इनकी नियमित निगरानी सी.सी.टी. वी. कैमरे से की जा रही है। शेरनी नीरजा अपने चारों शावकों का देखरेख अच्छे से कर रही है। यह तीसरी बार माँ बनी है तथा इटावा सफारी पार्क में इसके 05 शावक (पहली बार के 02 और दूसरी बार के 03) सफलता पूर्वक पल रहे हैं।

विशिष्ट जनों का सफारी भ्रमण

- श्रीमती ज्योति रचना, लंदन, यूके।
- डा0 विवक सक्सना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, हरियाण।
- श्री अंकित गुप्ता, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज।
- न्यायमूर्ति रूपेश रंजन, जिला जज, मैनपुरी।
- श्री बलवन्त सिंह शाही, भा0व0से0 (से.नि.)।
- श्री नवीन प्रकाश, एडीआरएम, प्रयागराज।
- न्यायमूर्ति नीरज प्रसाद पटेल, अपर जिला जज, औरैया।

बर्ड फेस्टिवल 2026 का आयोजन

वर्ष 2026 में नेचर एण्ड बर्ड फेस्टिवल 2026 का आयोजन महावीर स्वामी वाइल्डलाइफ सेंचुरी, ललितपुर में किया गया। जिसमें इटावा सफारी पार्क के प्रचार–प्रसार हेतु स्टॉल लगाकर क्षेत्रीय जनता में प्रचार–प्रसार किया गया।

मुख्य सम्पादक : डा0 अनिल कुमार पटेल, भा0व0से0
सम्पादकीय टीम : डा0 विनय कुमार सिंह, प्रा0व0से0, श्री बी0एन0 सिंह, प्रा0व0से0 (से0नि0)
डिजायन : शशांक पटेल